जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही

जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही,
तेरी महफ़िलो में मुझको शोहरत है मिल रही,

तेरी बिंदगी से हो रही खुशहाल जिंदगी,
मुझको तो हर कदम तेरी चाहत है मिल रही,
जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही

जब से हुआ है दिल मेरा पागल तेरे लिए,
मुझे दिल में मस्तियो की हरकत है मिल रही,
जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही

तेरे प्रेमियों के प्रेम का मिलत खजाना है,
पहचान हो रही है इजत है मिल रही,
जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही

चोखानी जान ता है तुझसे नहीं कोई,
हम को भी तेरे प्रेम की दौलत है मिल रही,
जबसे मुझे भी आप की रेहमत है मिल रही

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13454/title/jabse-mujhe-bhi-aap-ki-rehmat-hai-mil-rahi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |